SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

1998 - 99

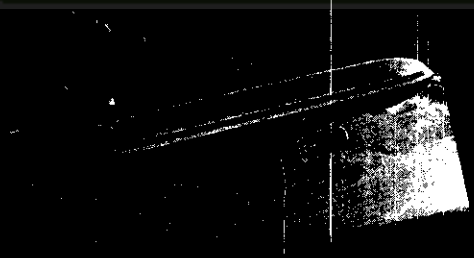

स्टेट बैंक ऑफ़ त्रावणकोर
STATE BANK OF TRAVANCORE

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

दौत्य

अपनी परम्पराओं को कायम रखते हुए, लाभप्रदता, कार्यक्षमता , प्रणालियों एवं प्रौद्योगिकी के उत्कृष्ट मानदंडों से ग्राहक, शेयरधारक एवं कर्मचारियों की सन्तुष्टि हेतु उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने की वचनबद्धता के साथ समस्त समुदाय के प्रति सेवा को जारी रखते हुए अखिल भारतीय स्तर को प्राप्त करने की आकांक्षा से युक्त केरल का प्रमुख बैंक

Mission

The premier bank of Kerala, aspiring to achieve all India stature with the best parameters in profitability, efficiency, systems and technology by carrying on its traditions with commitment to excellence in customer, share holder and employee satisfaction while continuing to serve the community at large.

विषय-सूची

1. शेयरधारियों को सूचना
2. निदेशक बोर्ड
4. निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट
30. आधारभूत लेखा नीतियाँ
38. तुलन पत्र
39. लाभ-हानि लेखा
41. लेखों की अनुसूचियाँ
56. लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
60. नकदी प्रवाह विवरण
62. पिछले तीन वर्ष....
63. उत्कर्ष का सोपान....
64. 38 वीं वार्षिक सामान्य बैठक से

CONTENTS

1. Notice to Shareholders
2. Board of Directors
5. Report of the Board of Directors
31. Principal Accounting Policies
38. Balance Sheet
39. Profit and Loss Account
41. Schedules to Accounts
57. Auditors' Report
61. Cash Flow Statement
62. The Last three years
63. Our growth through the decades
64. From the 38th Annual General Meeting

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

स्टेट बैंक ऑफ़ त्रावणकोर

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय: तिरुवनन्तपुरम

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर के शेयरधारियों की उनतालीसवीं वार्षिक सामान्य बैठक ए.के.जी. मेमोरियल हाल, गैस हाऊस जंक्शन, पालयम, तिरुवनन्तपुरम 695 034 में बुधवार, दिनांक 7 जुलाई 1999 को पूर्वाह्न 11.30 बजे (मानक समय)निम्न लिखित कार्य हेतु संपन्न होगी ।

"31 मार्च 1999 को समाप्त अवधि के लिए निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट, बैंक का तुलन पत्र एवं लाभ-हानि लेखा और बैंक के तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना ।"

तिरुवनन्तपुरम — वेपा कामेशम

31-05-1999 — प्रबन्ध निदेशक

STATE BANK OF TRAVANCORE

(Associate of the State Bank of India)

Head Office : Thiruvananthapuram

Report Junction.com

NOTICE

The Thirty ninth Annual General Meeting of the State Bank of Travancore, will be held in the A.K.G Memorial Hall, Gas House Junction, Palayam, Thiruvananthapuram - 695 034 on Wednesday, the 7th July 1999 at 11.30 a.m. (Standard Time) to transact the following business:

"To receive the Report of the Board of Directors, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made upto the 31st March, 1999 and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts"

Thiruvananthapuram, — VEPA KAMESAM

31.05.1999. — Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक बोर्ड

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम,1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (ए) के अन्तर्गत

अध्यक्ष

श्री. जी.जी. वैद्य

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (एए) के अन्तर्गत

प्रबंध निदेशक

श्री. वेपा कामेशम

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (बी) के अन्तर्गत

श्री. एम. जेशुदासन

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (सी) के अन्तर्गत

श्री. डी.पी. राय
श्री. आर. बी. श्रीवास्तव
डा. एन.डी. जोशी
श्री. ए.एस. नारायण मूर्ति
श्री. वी.के. माधव मोहन

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (सी ए) के अन्तर्गत

श्री. के. श्रीनिवासन

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (सीबी) के अन्तर्गत

श्री. एन.एस. मुरलीधरन नायर

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (डी) के अन्तर्गत

श्री. के.पी. तोमस
श्री. पी.ओ. यतीन्द्र मोहन

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा 1 के खंड (ई) के अन्तर्गत

श्री. एस. के. ठाकुर

BOARD OF DIRECTORS

Under clause (a) of sub section (1) of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Chairman

Shri. G.G. Vaidya

Under clause (aa) of sub section(1) of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act,1959.

Managing Director

Shri. Vepa Kamesam

Under clause (b) of sub section (1) of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act,1959.

Shri. M. Jesudasan

Under clause (c) of sub section (1) of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act,1959.

Shri. D.P. Roy
Shri. R.B. Srivastava
Dr. N.D. Joshi
Shri. A.S. Narayana Moorthy
Shri. V.K. Madhava Mohan

Under clause (ca) of sub section(1) of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Shri. K. Srinivasan

Under clause (cb) of sub section(1)of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Shri. N. S. Muraleedharan Nair

Under clause (d) of sub section (1) of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Shri. K.P. Thomas
Shri. P.O. Yatheendra Mohan

Under clause (e) of sub section (1) of Section 25 of the SBI (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Shri. S.K. Thakur

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक बोर्ड
BOARD OF DIRECTORS

श्री. जी.जी. वैद्य
अध्यक्ष
Shri. G.G. Vaidya
Chairman

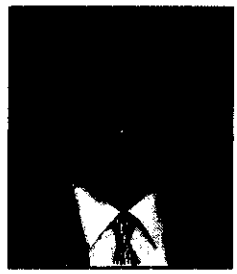

श्री. वेपा कामेशम
प्रबन्ध निदेशक
Shri. Vepa Kamesam
Managing Director

श्री. डी.पी. राय
Shri. D.P. Roy

श्री. एम. जेशुदासन
Shri. M. Jesudasan

श्री. एस.के. ठाकुर
Shri. S.K. Thakur

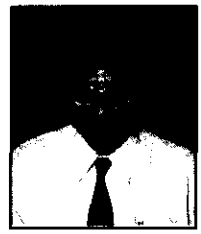

श्री. आर.बी. श्रीवास्तव
Shri. R.B. Srivastava

डा. एन.डी. जोशी
Dr. N.D. Joshi

श्री. ए.एस. नारायण मूर्ति
Shri. A.S. Narayana Moorthy

श्री. वी.के. माधव मोहन
Shri. V.K. Madhava Mohan

श्री. के.पी. तोमस
Shri. K.P. Thomas

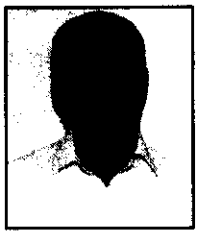

श्री. पी.ओ. यतीन्द्र मोहन
Shri. P.O. Yatheendra Mohan

श्री. के. श्रीनिवासन
Shri. K. Srinivasan

श्री. एन.एस. मुरलीधरन नायर
Shri. N.S. Muraleedharan Nair

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

1 आर्थिक परिवेश

1.1 राष्ट्रीय आर्थिक परिदृश्य

वर्ष 1998-99 के दौरान अर्थव्यवस्था की स्थिति सामान्यत:संतोषजनक रही । इस अवधि के दौरान मुद्रास्फीति की औसत दर एकल अंक में रही तथा पिछले वर्ष 5.3 % की तुलना में 5.0% रही। सकल घरेलू उत्पाद की दर पिछले वर्ष 1997-98 की 5.0% की तुलना में इस वर्ष 5.8% रहने का अनुमान है। यह कृषि तथा उस पर आधारित क्षेत्रों में बढ़े उत्पादनों, जो पिछले वर्ष 1997-98 में (-) 1.0% की तुलना में वर्ष 1998-99 में 5.3% हो गया तथा सेवा के क्षेत्र में उत्तम निष्पादन के कारण संभव हुआ। पूर्ववर्ती वर्ष के 6.6% विकास दर की तुलना में इस वर्ष विनिर्माण क्षेत्र ने प्रौद्योगिकी उत्पादन के साथ 3.8% की साधारण वृद्धि दर्ज की ।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चालू किये गये रिसर्जेंट इंडिया बॉन्ड्स (भारिबैं) की अद्भुत सफलता एक महत्वपूर्ण घटना रही है, जिस ने आर्थिक प्रतिबंधों के प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते हुए भी 4.23 बिलियन अमरीकी डालर अर्जित किये ।

1.2 केरल परिदृश्य

केरल की अर्थव्यवस्था ने 6.6% की समग्र विकास दर के साथ संतुलित निष्पादन किया । सेवा क्षेत्र (तृतीयक), जो प्रमुख

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43(1) के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं केन्द्र सरकार को निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट

रिपोर्ट अवधि

1 अप्रैल 1998 से 31 मार्च 1999

हिस्सेदार (45%) है, विकासोन्मुख रहा जबकि कृषि (प्राथमिक) क्षेत्र को नकारात्मक विकास के कारण कुछ नुकसान उठाना पड़ा । औद्योगिक (द्वितीयक) क्षेत्र का योगदान कमोवेश स्थिर रहा । वर्ष के दौरान उल्लेखनीय विकास नई औद्योगिक नीति एवं सूचना प्रौद्योगिक नीति की घोषणा रही जो राज्य का संभावित उदीयमान क्षेत्र है । कायमकुलम में नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन के बहुप्रतीक्षित संयंत्र के चालू होने के पश्चात बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी हुई। कोष्षिकोड़ जिले के नल्लालम में लगाए जाने वाले डीज़ल ऊर्जा संयंत्र से राज्य में बिजली के उत्पादन को और आगे प्रोत्साहन मिलने की आशा है। कोचिन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर्यटन एवं विदेश व्यापार के विकास हेतु नये मार्ग प्रशस्त करेगा ।

1.3 बैंकिंग उद्योग की गतिविधियाँ

वर्ष के दौरान अप्रैल एवं अक्टूबर 1998 में ऋण नीति घोषणाओं के माध्यम से भारतीय रिज़र्व बैंक ने विभिन्न मौद्रिक तथा ऋण उपायों को आरंभ किया। इसके अतिरिक्त वर्ष 1999-2000 के केन्द्रीय सरकार के बजट में घोषित उपायों के अनुवर्तन स्वरूप 1 मार्च, 1999 को बैंक दर तथा रेपो दर कम कर दिया गया ।

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Central Government in terms of Section 43 (1) of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959

Period covered by the Report
1st April, 1998 to 31st March, 1999

1 ECONOMIC ENVIRONMENT

1.1 NATIONAL ECONOMIC SCENE

The performance of the economy during the year 1998-1999 was generally satisfactory. The average rate of inflation during the period remained in single digit and was placed at 5.0% as against 5.3% during the previous year. The growth of GDP is estimated to be 5.8% as compared with 5.0% for 1997-1998, largely contributed by the increased output from agriculture and allied activities from (-)1.0% in 1997-1998 to 5.3% in 1998-1999 and by the continued good performance of the services sector. The manufacturing sector registered only a modest growth with the industrial production showing an increase of 3.8% during the period as compared with the growth of 6.6% in the preceding year.

A momentous development was the spectacular success of the Resurgent India Bonds (RIBs) floated by State Bank of India which mopped up US Dollars 4.23 billion in an adverse climate of economic sanctions.

1.2 KERALA SCENARIO

The economy of Kerala, by and large, performed reasonably well with an overall growth rate of 6.6%. The services (tertiary) sector, which has the dominant share (45%) continued the growth trend while the agriculture (primary) sector lost some ground due to negative growth. The industrial (secondary) sector's contribution remained more or less constant. Notable development during the year was the announcement of the new Industrial Policy and an Information Technology Policy, recognising the potential of this sunrise sector for the state. Power generation was boosted by the commissioning of the much awaited plant of National Thermal Power Corporation at Kayamkulam. The Diesel Power Plant coming up at Nallalam in Kozhikode District is expected to give further fillip to the production of electricity in the State. The Cochin International Airport will open up new vistas for development of Tourism and Foreign Trade.

1.3 DEVELOPMENTS IN BANKING INDUSTRY

The Reserve Bank of India introduced various monetary and credit measures during the year through the Credit Policy announcements in April and October 1998. In addition, Bank Rate and Repo Rate were lowered on March 1, 1999 as a follow up to the measures announced in the Union Budget for 1999-2000.

The policy for the first half of 1998-1999 was aimed at

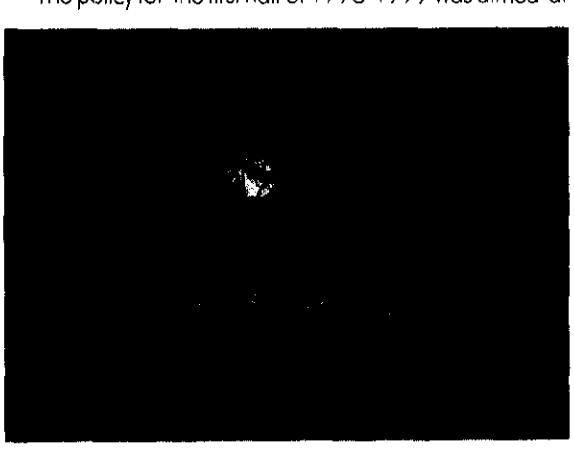

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वर्ष 1998-99 के प्रथम अर्द्धवर्ष की नीति में एक्सचेंज मार्केट में अस्थिरता को रोकना, अर्थव्यवस्था में औद्योगिक विकास एवं उत्पादन को बढ़ावा देने, सरकारी उधार राशियों की आवश्यकताओं की पूर्ति, मुद्रास्फीति दर नीची रखने, आर्थिक सुधार जारी रखने, विशेषकर कृषि तथा मध्यम एवं लघु क्षेत्रों हेतु ब्याज दर घटाने तथा ऋण वितरण प्रणाली में सुधार लाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपायों की घोषणा की गई:-

i) बैंकों को जमाओं और अग्रिमों पर ब्याज दर निर्धारित करने हेतु और आगे उदारीकरण देना,

ii) अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेशों के " चालू " अंश की प्रमात्रा में बढ़ोतरी

iii) निर्यात पुनर्वित्त को 100% तक पुनःस्थापित करना।

अक्टूबर 1998 के दौरान घोषित ऋण नीति की मध्यावधि

धरती जब सोना उगले:
कुट्टनाड धान के खेतों में फसल कटाई
Harvesting prosperity :
Harvesting in progress in the Kuttanad Paddy fields

समीक्षा में निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपायों की घोषणा की गई :

i) पूँजी पर्याप्तता अनुपात में 8% से 9% की बढ़ोतरी

ii) जोखिम भार एवं आस्तियों पर प्रावधान समनुदेशित करने हेतु कठोर मानदण्ड शुरू करना।

1.4 ए.एस.सी.बी का निष्पादन

सभी अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों (ए.एस.सी.बी) के रिसर्जेण्ट इंडिया बॉण्ड्स(आर. आई. बी) के तहत निधि संग्रहण सहित सकल जमाओं में पिछले वर्ष 19.7% की तुलना में 18.5% की वृद्धि हुई । सकल जमाओं में वृद्धि मुख्यतः सावधि जमाओं में वृद्धि के कारण संभव हुई । परंपरागत गैर खाद्य बैंक ऋण में पिछले वर्ष रु.40, 789 करोड़ (15.1%) की तुलना में इस वर्ष रु.37, 594 करोड़ (12.1%) की गिरावट दर्ज की गई। अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र सहित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा निजी कारपोरेट क्षेत्र एवं वाणिज्यिक पत्र आदि द्वारा निर्गमित बॉण्ड्स / डिबेंचर / शेयरों में बैंक निवेश के कुल प्रवाह का दर पिछले वर्ष के रु. 53, 377 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु. 54,304 करोड़ रहा । खाद्य ऋण में वृद्धि पिछले वर्ष के रु.4,889 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु 4,331 करोड़ रही । सरकारी प्रतिभूतियों में सभी अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश पिछले वर्ष के रु. 28,067 करोड़ की तुलना में इस वर्ष बढ़कर रु.35,787 करोड़ हो गया ।

2 बैंक परिचालन

2.1 मार्केट शेयर

केरल के प्रमुख बैंक के रूप में बैंक ने राज्य के सभी अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल शाखा नेटवर्क के 17.29%, सकल जमाओं का 21.02%, एन आर आई जमाओं का 21.65% तथा अग्रिमों के 21.25% के बाजार शेयर के साथ अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखा है ।

2.2 नई योजनाएँ

वर्ष के दौरान बैंक ने विविध ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु समुचित निम्निलिखित नई योजनाएँ प्रारंभ की :-

सुपर सरप्लस - यह एक आवर्ती जमा योजना है जो जमाकर्ताओं

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

curbing volatility in exchange market, promoting industrial growth and output in the economy, meeting Government's borrowing requirements, keeping the inflation rate low, continuing financial reform, reducing the interest rates and improving the credit delivery system particularly for agriculture and medium & small sectors.

The important measures announced by Reserve Bank of India, were :-

i) further liberalisation given to Banks for fixing interest rates on deposits and advances,

ii) hike in the quantum of "current" portion of investments in approved securities and

iii) restoration of export credit refinance to 100%.

The important measures introduced in the mid term review of the Credit Policy announced in October 1998, were :-

i) the enhancement of Capital Adequacy Ratio from 8% to 9% and

ii) introduction of stringent norms for assigning risk weights and provisioning on assets.

1.4 ASCB PERFORMANCE

The Aggregate deposits of All Scheduled Commercial Banks (ASCBs) including funds mobilised under Resurgent India Bonds (RIB) increased by 18.5% as against 19.7% in the previous year. The growth in aggregate deposits was mainly accounted for by an increase in time deposits. The conventional non food bank credit showed a lower expansion of Rs.37594 crores (12.1%) as against an increase of Rs.40789 crores (15.1%) in the previous year. The total flow of funds from scheduled commercial banks to the commercial sector including banks' investment in bonds/debentures/shares issued by public sector undertakings and private corporate sector and commercial paper etc., registered a growth of Rs.54304 crores as against a growth of Rs.53377 crores in the preceding year. The increase in Food Credit was to the tune of Rs.4331 crores as against Rs.4889 crores in the previous year. The investments of All Scheduled Commercial Banks in Government securities increased by Rs.35787 crores during the year as against Rs.28067 crores during the previous year.

लक्ष्य से कुछ ही दूर....
मारुति उद्योग लिमिटेड - बैंक का कार्पोरेट ग्राहक
The final touches...
MUL - Bank's corporate customer.

2 BANK'S OPERATIONS

2.1 MARKET SHARE

The Bank continued to maintain its enviable status as the premier bank in Kerala with a market share of 17.29% of the total branch network , 21.02% of the aggregate deposits, 21.65 % of the NRI deposits and 21.25% of the advances of ASCB in the State.

2.2 NEW PRODUCTS

The Bank launched the following new products during the year, tailored to meet the differing needs of customers :-

SUPER SURPLUS - A recurring deposit scheme that offers flexibility to depositors to vary their amount of monthly instalments in accordance with monthly surplus available.

THE 786 SCHEME - A new Deposit Scheme for those discerning customers who do not wish to earn interest on their deposits.

SAHAYA VARSHA - Clean demand loan facility for

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

क्षणों में ..... खाड़ी से
सीटेक्स, दुबई में फ्लैश रेमिट्टेन्स योजना का उद्घाटन
From the Gulf, in a Flash...
Inauguration of the Flash Remittance Scheme at CITEX, Dubai

को उनकी सुविधानुसार बचे हुए धन को मासिक किश्तों में जमा करने की सहूलियत प्रदान करती है ।

786 योजना - एक नई चालू जमा योजना उन विवेकी ग्राहकों के लिए जो अपनी जमाओं पर ब्याज नहीं चाहते ।

सहाया वर्षा - ग्राहकों की अल्पावधि व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक गैर जमानती ऋण सुविधा जो 36 माह के भीतर पुनर्देय हो ।

मित्र वर्षा - विभिन्न प्रतिभूतियों जैसे स्वर्ण, एन एस सीयों, किविर्पो, इंविर्पो, भायूट्र की यूनिट्स 64, जीबीनि पालिसी आदि पर एडवांस प्राप्त करने हेतु वैर्याक्तिकों हेतु उपलब्ध ओवरड्राफ्ट योजना ।

किसान कार्ड - किसानों की अल्पावधि आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु चालू कृषि नकद ऋण सुविधा जिसमें उनकी पारिवारिक आकस्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक निश्चित सीमा तक उपयोग करने का प्रावधान हो ।

एन आर आई परिवार कल्याण योजना - एन आर आई की व्यक्तिगत दुर्घटना सुरक्षा तथा उनके परिवार जिसमें उनके माता-पिता सहित 6 व्यक्ति शामिल हों, की चिकित्सा व्यय सुरक्षा की एक अद्वितीय एवं नवीन योजना ।

सिटी फ्लैश - सिटी एक्सचेंज एल एल सी, दुबई के साथ एक टेलेक्स/फैक्स फण्ड अंतरण व्यवस्था जिसमें चुनिन्दा 60 शाखाओं में 24/48 घंटे के भीतर ग्राहक के खाते में जमा कर देने की गारंटी दी गई है।

2.3 संसाधन संग्रहण

बैंक की कुल जमाएं (साखपत्रों / प्रत्याभूतियों आदि पर मार्जिन, स्टाफ सुरक्षा जमाओं सहित) इस वर्ष रु.1209.57 करोड़ (15.80%) की वृद्धि के साथ रु.8864.39 करोड़ के स्तर तक पहुँच गयीं। सकल जमाएं (अंतर्बैंक जमाओं के बिना) रु. 1217.04 करोड़ (16.84%) बढ़कर रु.8443.45 करोड़ के स्तर तक पहुँच गई । मार्च, 1999 के अंत तक एन आर आई जमाएं बैंक के सकल जमा राशियों की 41% रहीं और पूर्व वर्ष की तुलना में 24.60% वृद्धि दर्ज की।

2.4 ऋण विस्तार

मार्च, 1999 के अंत तक बैंक का कुल बकाया निवल ऋण पिछले वर्ष से रु.251.08 करोड़ (6.28%) बढ़कर रु. 4251.90 करोड़ हो गया जिसमें मुख्यतः वैयक्तिक एवं सेवा बैंकिंग खंड एवं लघु उद्योग तथा लघु व्यवसाय खंड का योगदान रहा है । वर्ष के दौरान, बैंक ने प्रचार माध्यमों की सहायता से चुनिन्दा शाखाओं में

कुल जमाएं (रु. करोड़ में)
TOTAL DEPOSITS (Rs. in crores)

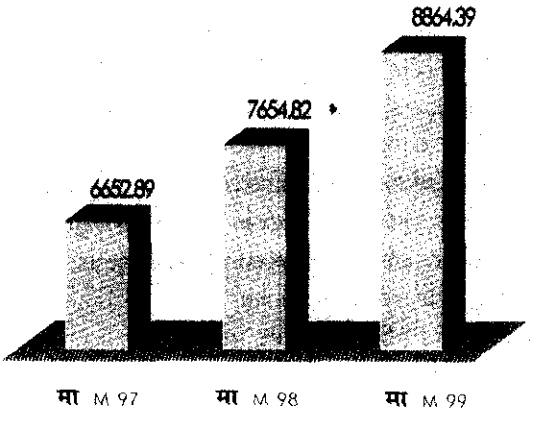

www.reportjunction.com